

तुगलक राजवंश एक मध्ययुगीन भारतीय राजवंश था जिसने 1320 से 1414 ईस्वी तक दिल्ली सल्तनत पर शासन किया था। इसकी स्थापना गियास-उद-दीन तुगलक ने की थी और यह अपने जटिल और घटनापूर्ण शासन के लिए जाना जाता है। तुगलक वंश के बारे में मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

1. संस्थापक:

- तुगलक वंश की स्थापना 1320 ई. में गियास-उद-दीन तुगलक ने की थी। खिलजी वंश के पतन के बाद वह गद्दी पर बैठा।

2. गियास-उद-दीन तुगलक का शासनकाल (1320-1325):

- गियास-उद-दीन तुगलक ने मजबूत हाथ से शासन किया लेकिन उसे मंगोल आक्रमण सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- उनके शासनकाल को अक्सर दिल्ली में तुगलकाबाद किले के निर्माण के लिए याद किया जाता है।

3. मुहम्मद बिन तुगलक (1325-1351):

- मुहम्मद बिन तुगलक अपने पिता गियास-उद-दीन का उत्तराधिकारी बना।
- उनका शासनकाल कई विवादास्पद नीतियों के लिए जाना जाता है, जिसमें राजधानी को दिल्ली से दक्कन में दौलताबाद (देवगिरी) स्थानांतरित करने का प्रयास भी शामिल है। इस सामूहिक प्रवासन, जिसे "सांकेतिक मुद्रा" प्रकरण के रूप में जाना जाता है, ने अत्यधिक पीड़ा पहुँचाई।
- वह दक्षिण भारत और मध्य एशिया में अपने सैन्य अभियानों के लिए भी जाने जाते थे।

4. फ़िरोज़ शाह तुगलक (1351-1388):

- मुहम्मद बिन तुगलक का चचेरा भाई फ़िरोज़ शाह तुगलक अपने चचेरे भाई की मृत्यु के बाद सत्ता में आया।
- उन्हें सिंचाई और बुनियादी ढांचे में सुधार के उपायों सहित उनके प्रशासनिक सुधारों के लिए याद किया जाता है।
- फ़िरोज़ शाह ने नहरों और मस्जिदों की मरम्मत और निर्माण का कार्य भी कराया।

5. गिरावट और विखंडन:

- फ़िरोज़ शाह तुगलक के शासनकाल के बाद, राजवंश ने कमजोर शासकों की एक श्रृंखला देखी, जिससे केंद्रीय प्राधिकरण में गिरावट आई।
- प्रांतीय गवर्नरों को अधिक शक्ति प्राप्त हुई और दिल्ली सल्तनत के भीतर क्षेत्रीय साम्राज्य उभरे।

6. विद्रोह और आक्रमण:

- तुगलक राजवंश को अपने शासन के दौरान विद्रोहों और आक्रमणों का सामना करना पड़ा, जिसमें 1398 में तैमूर (तामेरलेन) का आक्रमण भी शामिल था, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक विनाश हुआ।

7. विरासत:

- तुगलक राजवंश को उसकी महत्वाकांक्षी लेकिन विवादास्पद नीतियों, जैसे राजधानी के स्थानांतरण और सांकेतिक मुद्रा की शुरुआत के लिए याद किया जाता है।
- इसने किलों, मस्जिदों और नहरों के निर्माण सहित उल्लेखनीय वास्तुशिल्प विरासतों को पीछे छोड़ दिया।
- राजवंश के प्रशासनिक नवाचारों, विशेष रूप से फ़िरोज़ शाह तुगलक के तहत, का क्षेत्र में शासन पर स्थायी प्रभाव पड़ा।

तुगलक राजवंश दिल्ली सल्तनत में महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक प्रयोग का काल था। हालाँकि इसे चुनौतियों और विवादों का सामना करना पड़ा, इसके शासन ने मध्ययुगीन काल के दौरान भारत की राजनीतिक और प्रशासनिक प्रणालियों के विकास में योगदान दिया।